स्पाइसेस बोर्ड
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
भारत सरकार
पालारिवट्टम पी ओ
कोच्ची-682 025
केरल

एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एम आई डी एच) के अंतर्गत केरल के इडुक्की जिले में छोटी इलायची; नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में बड़ी इलायची और जम्मू व कश्मीर के अनंतनाग जिले में अखरोट पर मूल्य शृंखला अध्ययन/सर्वेक्षण चलाने केलिए साझेदार एजेंसी के चयन हेतु निविदा सूचना

स्पाइसेस बोर्ड , वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय , भारत सरकार राज्य कृषि विश्वविद्यालयों/केंद्रीय संस्थानों सहित तत्पर सरकारी एजेंसियों से **एम आई डी एच** के अंतर्गत केरल के इडुक्की जिले में छोटी इलायची; नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में बड़ी इलायची और जम्मू व कश्मीर के अनंतनाग जिले में अखरोट पर मूल्य शृंखला अध्ययन/सर्वेक्षण चलाने केलिए साझेदार एजेंसी के चयन हेतु मोहरबंद निविदाएँ आमंत्रित करता है। छोटी इलायची,बड़ी इलायची और अखरोट केलिए निविदाएँ मोहरबंद लिफाफे में **29/12/2017** को या उससे पूर्व नीचे दिए गए पते पर प्रस्तुत की जानी चाहिए और लिफाफे के ऊपर " मूल्य शृंखला अध्ययन/सर्वेक्षण- छोटी इलायची/बड़ी इलायची/अखरोट केलिए निविदा" साफ लिखा हुआ होना चाहिए। निविदाएँ **01/01/2018** को **सायं 3.00 बजे** खोली जाएंगी। निविदा-आमंत्रण और संदर्भ संबंधी निबंधन www.indianspices.com से डाउनलोड किया जा सकता है।

डॉ. ए. बी. रमाश्री
निदेशक(विकास)
स्पाइसेस बोर्ड
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
भारत सरकार
एन एच बै-पास,पालारिवट्टम
कोच्ची-682 025, केरल
टेली: 0484-2333607
इ-मेइल: remashreeab.sb@gov.in

<u>एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एम आई डी एच) के अंतर्गत केरल के इडुक्की जिले में छोटी इलायची; नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में बड़ी इलायची और जम्मू व कश्मीर के अनंतनाग जिले में अखरोट पर मूल्य शृंखला अध्ययन/सर्वेक्षण चलाने केलिए साझेदार एजेंसी के चयन हेतु मोहरबंद निविदाओं का आमंत्रण</u>

पृष्ठभूमि

स्पाइसेस बोर्ड , वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार मसालों व मसाला उत्पादों के निर्यात संवर्धन उपायों केलिए उत्तरदायी है। स्पाइसेस बोर्ड मसालों के विकास-कार्यक्रमों कार्यान्वियन हेतु एम आई डी एच के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर के अभिकरण [एन एल ए] के रूप में अनुमोदित है। छोटी इलायची, बड़ी इलायची और अखरोट क्रमश: भारत के दक्षिणी राज्यों, उत्तर पूर्वी राज्यों व हिमालयी क्षेत्र बढ़नेवाली प्रमुख मसाले / बागान फसलें हैं। देश में उक्त मसालों के कुल उत्पादन का प्रमुख हिस्सा क्रमश: केरल के इडुक्की जिले, नागालैंड व अरुणाचल प्रदेश और जम्मू व कश्मीर के अनंतनाग का योगदान है। एम आई डी एच कार्यक्रम के भाग के रूप में, स्पाइसेस बोर्ड उत्पादन, कटाई पश्चात प्रबंधन, मूल्य शृंखला विकास,विपणन व निर्यात को बढ़ावा देने के उपाय तैयार करने केलिए छोटी इलायची, बड़ी इलायची और अखरोट के उत्पादन और विपणन संबंधी मूल्य शृंखला अध्ययन/सर्वेक्षण चलाना चाहता है।

उद्देश्य

मूल्य शृंखला अध्ययन / सर्वेक्षण का उद्देश्य कृषकों/ उत्पादकों के नजरिए से छोटी इलायची, बड़ी इलायची और अखरोट के उत्पादन,कटाई पश्चात प्रबंधन और विपणन संबंधी समस्त मामलों को समझना है। यह अध्ययन वस्तुस्थिति को समझने मूल्य शृंखला को सुधारने के उपायों को विकसित करने के साथ-साथ मूल्य शृंखला में कृषकों का स्थान, बेहतर विपणी संबंध और और छोटी इलायची, बड़ी इलायची और अखरोट के कृषकों द्वारा मूल्य-वसूली को ठीक से समझने में भी सहायक होगी। मूल्य-शृंखला अध्ययन / सर्वेक्षण छोटी इलायची, बड़ी इलायची और अखरोट के उत्पादन, कटाई पश्चात प्रबंधन, मूल्य शृंखला विकास,विपणन और निर्यात को बढ़ावा देने के उपाय निकालने में सहायक होगा।

अध्ययन-क्षेत्र

मूल्य शृंखला अध्ययन / सर्वेक्षण छोटी इलायची केलिए केरल के इडुक्की जिले में; बड़ी इलायची केलिए नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में और अखरोट केलिए जम्मू व कश्मीर के अनंतनाग जिले में चलाया जाएगा।

विचारार्थ विषय

मूल्य शृंखला अध्ययन / सर्वेक्षण में औसत होल्डिंग साइज, उत्पादन, उत्पादकता, कृषकों द्वारा अपनाए गए कृषिवैज्ञानिक कार्य, पी एच एम अवसंरचना, प्रसंस्करण सुविधाएं, विपणन अवसंरचना, कृषकों को प्राप्त मूल्य, संपूर्ण मूल्य शृंखला में कृषकों-उत्पादकों का स्थान का मूल्यांकन शामिल होंगे। मूल्य शृंखला अध्ययन / सर्वेक्षण केलिए विचारार्थ विषय में निम्नलिखित बातें शामिल रहेंगी, लेकिन निम्नलिखित तक सीमित नहीं रहेगा :

उत्पादन और कटाई पश्चात प्रबंधन

- जमीन का औसत रकबा, खेती की जाने वाले क्षेत्र का मूल्यांकन
- अपनाई गई क्रोपिंग पैटर्न - शुद्ध फसल या अंत:फसल
- रोपण केलिए प्रयुक्त बीज सामग्री के स्रोत व परिमाण का मूल्यांकन
- निर्मोचित व कृषकों द्वारा बढ़ाई जाने वाली देशी क़िस्मों के प्रयोग और किस्म के विशेष गुण, यदि कोई है तो, का मूल्यांकन
- पिछले पाँच वर्षों में रोपण का समय / रोपण पैटर्न और अनुसरण किए जाने वाले पुन:रोपण चक्र का मूल्यांकन
- नाशीजीवों व बीमारियों के प्रकोप का मूल्यांकन
- कृषकों द्वारा किए जाने वाले छिड़कावों की संख्या, पौध संरक्षण रसायन के नाम, खुराक, छिड़कावों के बीच के अंतराल का मूल्यांकन
- आई पी एम / आई डी एम / आई एन एम सहित संस्तुत कृषिविज्ञान कार्यों की स्वीकृति का मूल्यांकन
- पिछले पाँच वर्षों के दौरान धनिया बीज के उत्पादन व उत्पादकता का मूल्यांकन
- कृषकों केलिए उपलब्ध संस्थागत वित्त- समर्थन का मूल्यांकन
- अपनाई गई सिंचाई व फेर्टिगेशन प्रणाली और सिंचाई के संचित लाभ का मूल्यांकन
- अपनाई गई फसल कटाई विधि, कटाई की संख्या, प्रत्येक कटाई के बीच के अंतराल और प्राप्त उपज का मूल्यांकन
- कृषकों द्वारा अपनाई गई कटाई पश्चात तकनीकों, अर्थात्, सुखाना, साफ करना, ग्रेडिंग, भंडारण का मूल्यांकन
- अपनाई गई ग्रेडिंग प्रणाली, प्रमुख ग्रेड, ग्रेडिंग मानक, नामत: आकार, रंग, *ढेर घनत्व* आदि का मूल्यांकन

- लाभ : लागत अनुपात सहित कृषि-लागत का मूल्यांकन
- कृषकों द्वारा अपनाए गए विपणन-तरीके [अर्थात् व्यापारी, गाँव के ब्यौहारी, निर्यातक को, नीलामी केंद्र द्वारा, बिक्री आदि] का मूल्यांकन
- गुणवत्ता मामलों[कृत्रिम रंग, नाशीजीव अवशेष, आदि] का मूल्यांकन
- उत्पादन / उत्पादकता का रुख और कारण
- खेतों के दौरे, बैठकें, प्रशिक्षण आदि के ज़रिए कृषकों को प्राप्त विस्तार सलाहकार समर्थन का मूल्यांकन
- उत्पादन पर जलवायु-परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन

विपणी

- विपणी अवसंरचना (नीलामी केंद्र, वेयरहाउसिंग प्रणालियाँ आदि) और पिछले पाँच साल में प्रसंस्करण केलिए जाने वाले उत्पादन के प्रतिशत का मूल्यांकन
- घरेलू विपणी मांग का मूल्यांकन
- विपणी के आकार का मूल्यांकन
- छोटी इलायची / बड़ी इलायची / अखरोट केलिए नीलामी प्रणाली सहित वर्तमान विपणन तंत्र [मार्केट चैनल / सप्लाई चेइन आदि] का मूल्यांकन
- प्रमुख विपणन केन्द्रों तथा घरेलू खपत केन्द्रों में परिमाण / आवक का मूल्यांकन
- विभिन्न क्षेत्रों, नामत: आहार, मिठाई, पेय, देशी औषध के क्षेत्र में प्रयोग के तरीके का मूल्यांकन
- नीलामी केन्द्रों के मूल्य / व्यापारी मूल्य और फार्म गेट मूल्य (मूल्य ढांचा) की तुलना में खपत केन्द्रों में छोटी इलायची / बड़ी इलायची / अखरोट के मूल्य का विश्लेषण चलाना
- विपणन केलिए वर्तमान कर-ढांचा और व्यापार पर उसके प्रभाव का मूल्यांकन
- उत्पादन और मूल्य के बीच के संबंध का अध्ययन
- मूल्य-वर्धन के संभाव्य-क्षेत्र का मूल्यांकन
- उपरोक्त मसालों के निर्यात के निर्यात-पैटर्न और चुनौतियों का अध्ययन
- उत्पादकों व क्रेताओं के बीच सीधा विपणी संबंध स्थापित करने की संभावनाओं का अध्ययन
- जी एस टी के लागू करने के पश्चात् कृषकों पर संभावित प्रभाव
- भारत में छोटी इलायची / बड़ी इलायची / अखरोट के उत्पादन, निर्यात सहित विपणन को बढ़ावा देने हेतु उपयुक्त उपायों की सिफ़ारिश करना

नमूना आकार

पार्टनर एजेंसी कम से कम 1000-1500 खेतों के नमूना-सर्वेक्षण के माध्यम से छोटी इलायची / बड़ी इलायची / अखरोट का मूल्य-शृंखला अध्ययन / सर्वेक्षण चलाएगी। फिर भी, नमूनों की वास्तविक संख्या का निर्णय पार्टनर एजेन्सी द्वारा लिया जाएगा। पार्टनर एजेंसी, इसके साथ ही साथ विपणन की समस्याओं के अध्ययन केलिए मूल्य-शृंखला अध्ययन / सर्वेक्षण सहित विपणी सर्वेक्षण भी चलाएगी।

समय-सीमा/सूची

मूल्य-शृंखला अध्ययन / सर्वेक्षण चलाने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने की समय-सीमा समझौता-ज्ञापन [एम ओ यू] पर हस्ताक्षर करने की तारीख से साढ़े तीन महीनों से ज्यादा नहीं होगी। पार्टनर एजेंसी एक मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी और मसौदा-रिपोर्ट प्रस्तुत करने के एक हफ्ते के अंतर्गत फीड-बैक केलिए एक प्रस्तुतीकरण करेगी और तदनुसार अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने के पहले उन्हें शामिल करेगी।

निम्नलिखित सुपुर्द करना होगा:

- दित्ता समाकलन फोरमेट / प्रश्नावली का विकास और स्पाइसेस बोर्ड को अनुमोदन केलिए प्रस्तुति
- दित्ता समाकलन फोरमेट / प्रश्नावली की क्षेत्र-जांच और क्षेत्र-जांच से पाए गए परिवर्तनों को शामिल करना
- क्षेत्र में प्रयोग करने से पूर्व स्पाइसेस बोर्ड के साथ परामर्श करके दित्ता समाकलन फोरमेट / प्रश्नावली को अंतिम रूप देना
- एन्यूमरेटरों का चयन और प्रश्नावली का प्रयोग, दित्ता समाकलन विधि, नमूना यूनिट चयन और अन्य तकनीकी विवरणों पर प्रशिक्षण प्रदान करना
- दित्ते व व्याख्यानों का विश्लेषण
- प्रश्नावलियों केलिए डेटा-सेट एक्सेल में और एसपीएसएस डेटाबेस प्रदान करना

- स्पाइसेस बोर्ड को मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत करना और जांच-परिणाम और सुझावों को बांटने केलिए स्पाइसेस बोर्ड में प्रस्तुतीकरण करना और अंतिम रिपोर्ट में फीड-बैक को शामिल करना
- अंतिम रिपोर्ट की पाँच प्रतियाँ (हार्ड) सॉफ्ट कॉपी सहित स्पाइसेस बोर्ड को प्रस्तुत करना

टीम का गठन

साझेदार एजेंसी को उत्पादन और विपणी-अद्ययन केलिए मूल्य शृंखला अद्ययन / सर्वेक्षण चलाने हेतु एक सशक्त टीम होना चाहिए । टीम में कम से कम एक कृषि विशेषज्ञ, जो कृषि अर्थशास्त्र से जुडा हो तो, उसको तरजीह दी जाएगी और एक एम बी ए धारक हो। साझेदार एजेंसी सर्वेक्षण चलाने केलिए गणनाकारों के रूप में अपने पदाधिकारियों का उपयोग करेगी या सर्वेक्षित राज्य के कॉलेज के छात्रों को ठेके पर लेगी। बोर्ड को मूल्य शृंखला अद्ययन / सर्वेक्षण / विपणि अद्ययन की निगरानी केलिए, जहां कहीं आवश्यक हो, अपने अधिकारियों को प्रतिनियुक्त करने का अधिकार होगा।

सम्पर्क

साझेदार एजेंसी बोर्ड के विकास और विपणन विभागों के साथ मिलकर कार्य करेगी ।

साझेदार एजेंसी केलिए भुगतान के निबंधन

i) विधि-तंत्र / अद्ययन की रूपरेखा सूचित करनेवाले विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने, समझौता ज्ञापन निष्पादित करने और बोर्ड द्वारा प्रश्नावली प्रारूप अनुमोदित करने के बाद 30% भुगतान किया जाएगा।

ii) अंतिम प्रारूप प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के बाद 40% भुगतान किया जाएगा।

iii) अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के बाद 30% भुगतान किया जाएगा।

चयन का मापदंड

साझेदार एजेंसी का चयन, निविदा प्रस्तुत एजेंसियों द्वारा कोट की गई दरों तथा उत्तरवर्ती चर्चा के आधार पर किया जाएगा। निम्नतम दर कोट की गई एजेंसी को समझौता-वार्ता केलिए बुलाया जाएगा। स्पाइसेस बोर्ड, किसी भी / सभी निविदा आवेदनों को बिना कोई कारण बताए निरस्त करने; बोर्ड के हित में आवश्यक समझी जाने पर दस्तावेज़ में निर्धारित किसी शर्तों में छूट या हटा देने; समझौता-वार्ता के पहले या बाद में विचारार्थ विषय में किसी अन्य मदों को जोडने का अधिकार रखता है। चयनित एजेंसी द्वारा बोर्ड के साथ एक समझौता-ज्ञापन निष्पादित किया जाना है।

तकनीकी बोली

क्रम संख्या	विवरण	ब्योरे
1	सरकारी एजेंसी का नाम	
2	पता व संपर्क टेलीफोन/इ-मेइल/वेबसाइट	
3	संपर्क व्यक्ति का नाम पदनाम मोबाइल नं. इ-मेइल	
4	मूल्य-शृंखला अध्ययन/सर्वेक्षण चलाने में एजेंसी की क्षमताएँ/ कमजोरियाँ	
5	पूर्व में इस तरह के कार्य करने संबंधी विवरण	
6	मूल्य-शृंखला अध्ययन/सर्वेक्षण चलाने हेतु शामिल करने केलिए प्रस्तावित पदाधिकारियों के विवरण और योग्यताएँ	
7	कोई अन्य संगत सूचना	

मैं ने निबंधनों व शर्तों को देखा है और उनका अनुसरण करूगा। मैं / हम एतदद्वार घोषणा करता हूँ/ करते हैं कि इस वक्तव्य में दी गई सूचना मेरी सर्वोत्तम जानकारी में सही और ठीक है और मैं / हम जानता हूँ / जानते हैं कि बाद में किसी भी सूचना को गलत पाया जाता है, तो मेरी / हमारी एजेंसी भागीदारी से अयोग्य बन जाने हेतु बाध्य होगी।

स्थान:
दिनांक: प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्त्ता का हस्ताक्षर व मोहर

वित्तीय बोली

1. कंपनी / संगठन :
2. पूरा पता व संपर्क :

फसल	मूल्य-शृंखला अध्ययन / सर्वेक्षण चलाने हेतु लागत (सभी कर सहित)
इलायची (छोटी)	
इलायची (बड़ी)	
अखरोट	

प्राधिकृत प्रतिनिधि का हस्ताक्षर
पूरा नाम :
पदनाम :
एजेंसी का नाम व पता :
(मोहर)

स्थान :
दिनांक :

Spices Board
Ministry of Commerce & Industry
Govt of India
Palarivattom P.O
Kochi - 682 025
Kerala

Tender Notice for selection of Partner Agency for conducting Value Chain Study / Survey on Small Cardamom in Idukki District, Kerala; Large Cardamom in Nagaland & Arunachal Pradesh and Walnut in Anantnag District of Jammu & Kashmir under Mission for Integrated Development of Horticulture [MIDH]

Spices Board under Ministry of Commerce & Industry, Govt of India, invites sealed tenders from the interested Govt. agencies including State Agricultural Universities/ Central Institutes for selection of Partner Agencies for conducting Value Chain Study / Survey on Small Cardamom in Idukki District, Kerala; Large Cardamom in Nagaland & Arunachal Pradesh and Walnut in Anantnag District of Jammu & Kashmir under MIDH. The tenders in sealed envelopes for Small Cardamom, Large Cardamom and Walnut shall be submitted to the address mentioned below on or before **29/12/2017** and the envelope should be clearly superscribed as "Tender for Value Chain Study / Survey – Small Cardamom / Large Cardamom / Walnut". The tenders will be opened **at 3.00 pm on 01/01/2018.** The details of invitation of Tender and Terms of Reference can be downloaded from www.indianspices.com.

Dr. A. B. Remashree
Director [Development]
Spices Board
Ministry of Commerce & Industry
Govt. of India
Sugandha Bhavan
N H By-pass
Palarivattom
Kochi- 682 025
Kerala
Tel. No. 0484- 2333607
Email: remashreeab.sb@gov.in

Invitation of sealed Tenders for selection of Partner Agency for conducting Value Chain Study / Survey on Small Cardamom in Idukki District, Kerala; Large Cardamom in Nagaland & Arunachal Pradesh and Walnut in Anantnag District of Jammu & Kashmir under Mission for Integrated Development of Horticulture [MIDH]

Background

Spices Board, Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India is responsible for the export promotion measures for Spices and Spices products. Spices Board is approved as a National Level Agency [NLA] under MIDH for implementing programmes for development of spices. Small Cardamom, Large Cardamom and Walnut are important spice / plantation crop grown in Southern States, North Eastern States and Himalayan Region of India, respectively. Idukki District in Kerala, Nagaland & Arunachal Pradesh and Anantnag in Jammu & Kashmir contribute major portion of the total production of the above spices in the country, respectively. As a part of MIDH programme, Spices Board proposes to conduct Value chain study / survey for Small Cardamom, Large Cardamom and Walnut production and marketing to devise strategies for promoting the production, post harvest management, value chain development, marketing and exports.

Objective

The value chain study / survey is intended to understand the entire gamut of issues in production, post harvest management and marketing of Small Cardamom, Large Cardamom and Walnut in the perspective of farmers / producers. The study will also help in better understanding of the ground situation and develop ways of improving the value chain as well as the farmers position in the value chain and prospects for better market linkage and price realization by the Small Cardamom, Large Cardamom and Walnut growers.The value chain study / survey shall be helpful to devise strategies for promoting the production, post harvest management, value chain development, marketing and exports of Small Cardamom, Large Cardamom and Walnut.

Area of Study

The value chain study / survey shall be carried out in Idukki District, Kerala on Small Cardamom; in Nagaland & Arunachal on Large Cardamom and in Anantnag District of Jammu & Kashmir on Walnut.

Terms of Reference (ToR)

The value chain study / survey shall include assessment of average holding size, production, productivity, agronomic practices adopted by the farmers, status of PHM infrastructure, processing facilities, marketing infrastructure, prices realized by the farmers, position of farmers-producers in the entire value chain. The terms of references for value chain study /

survey will not be limited to the following but include:

Production and post harvest management

- Assess the average of size of holding, area under cultivation.
- Cropping pattern adopted – Pure crop or intercrop.
- Assess the Source and Quantity of seed material used for planting.
- Assess the use of released and indigenous varieties grown by growers and the special characteristics of the variety, if any
- Assess the time of sowing/ planting pattern in last 5 years and replanting cycle followed
- Assess the incidence of pests and diseases
- Assess the number of sprays undertaken by the farmers, name of plant protection chemical, dosage, interval between sprays.
- Assess the adoption of recommended agronomic practices including IPM / IDM / INM
- Assess the production and productivity of coriander seed during last 5 years
- Assess the Institutional finance support available to the growers
- Assess the type of Irrigation and fertigation adopted and benefits accrued of irrigation
- Assess the Harvesting method adopted, number of harvest, interval between each harvest and yield obtained
- Assess the use of Post Harvest Management techniques i.e. drying, cleaning, grading, storage adopted by the growers
- Assess the grading system adopted, major grades, grading parameters viz. size, colour, bulk density, etc
- Assess the cost of cultivation including benefit: cost ratio
- Assess the marketing methods adopted by the growers [ie. selling to dealer, village trader, exporter, through auction centre, etc]
- Assess the Quality issues [artificial colour, pesticide residue, etc.]
- Trend in production / productivity and the reasons
- Assessment of Extension Advisory support available to growers through field visits, meetings, trainings, etc.
- Assess the impact of climate change on production

Market

- Assess Market infrastructure (auction centres, warehousing facilities etc.) and percentage of production going to processing in last 5 years.
- Assess the domestic market demand
- Assess the size of the market
- Assess the existing marketing mechanism [market channels / supply chain] for small cardamom/ large cardamom/walnut including the auction system
- Assess the quantity/ arrival in major marketing centres and major domestic consuming centres
- Assess the pattern of uses in various sectors viz food, confectionary, beverages,

indigenous medicines etc.

- Conduct price spread analysis of small cardamom/ large cardamom/walnut in the consumption centres vis a vis price in the auction centres / dealer price and the farm gate price (Price structure)
- Assess tax structure prevailing for marketing and its effect on trade
- Study the relationship between production and price
- Assess the potential areas for value addition
- Study the pattern of exports and challenges in exports of the above spices
- Study the scope for establishing direct market linkages between producers and buyers
- Possible impact on the farmers after introduction of GST
- Recommend suitable strategies for increasing production, promoting marketing of small cardamom/ large cardamom/walnut in India including exports.

Sample Size

The Partner Agency shall conduct the value chain study / survey for Small Cardamom / Large Cardamom / Walnut through sample survey in at least 1000-1500 farm holdings. However, the exact number of samples shall be decided by the Partner Agency. The Partner Agency shall also conduct Market survey simultaneously to study the issues in marketing including the value chain study / survey.

Timeline /Schedule

The timeline for conducting the value chain study / survey and submitting the final report shall not exceed 3 ½ months from the date of signing of MoU. The Partner Agency shall submit the draft report and make a presentation within a week after submitting draft report for feed back and incorporate them accordingly before submitting the final report.

Deliverables

- Develop data collection format / questionnaire and submit to Spices Board for approval
- Field test of data collection format / questionnaire and incorporate changes found from the field test
- Finalize the data collection format / questionnaire in consultation with Spices Board before using in field
- Select enumerators and provide training on the use of questionnaire, data collection method, sample unit selection and other technical details
- Analysis of the data and interpretations
- Provide data set in excel and SPSS database for questionnaires
- Submit draft report to Spices Board and make presentation in Spices Board to share the findings and suggestions and incorporate the feed back in final report
- Submit five copies (hard) of the final report to the Spices Board along with soft copy.

Composition of the Team

The Partner Agency shall have the strong team for conducting the value chain study / survey for production and market study. The team shall have at least one Agricultural Specialist preferably in Agri. Economics and one MBA holder. The Partner Agency shall use its officials or hire college students in the surveying state as enumerators to conduct the survey. The Board has the right to depute its officers to monitor the value chain study / survey / market study wherever required.

Liaison

The Partner Agency shall work closely with the Development and Marketing Departments of the Board.

Terms of payment to the Partner Agency

i) 30% payment shall be done after submitting the detailed proposal indicating the methodology/ design of the study, executing the MoU and approval of draft questionnaire by Board
ii) 40 % payment shall be done after submitting the draft final report.
iii) 30% payment shall be done after submitting the final report.

Selection Criteria

The selection of Partner Agency shall be done based on the rates quoted by the tender submitted agencies and subsequent negotiations. The lowest rate quoted agency shall be called for a negotiation meeting. The Board reserves the right to reject any / all tender applications without assigning any reasons thereof; to relax or waive any conditions stipulated in this document as deemed necessary in the interest of the Board; to include any other items in the ToR before or after the negotiation meeting. The selected Agency shall execute an MoU with the Board.

TECHNICAL BID

Sl. No	PARTICULARS	DETAILS
1.	Name of the Govt Agency	
2.	Address & Contact Telephone / e-mail / Website	
3.	Name of the Contact Person Designation Mobile No. Email:	
4.	Strengths and Capabilities of the Agency in conducting the value chain study / survey	
5.	Details of similar works undertaken earlier	
6.	Details and qualification of the officials proposed to be involved in value chain study / survey	
7.	Any other relevant information	

I have gone through the Terms & conditions and abide by the same. I/ We hereby declare that the information furnished in this statement is true and correct to the best of my knowledge and I/ we am/are aware that in case of any information is found to be incorrect at a later date my/ our agency shall be liable for disqualification from participation.

Place:
Date: Signature and Seal of the Authorized Signatory

FINANCIAL BID

1. Name of Company / Organisation :
2. Full Address & Contact :

CROP	COST FOR CONDUCT OF VALUE CHAIN STUDY / SURVEY (INCLUSIVE OF ALL TAXES)
Cardamom (Small)	
Cardamom (Large)	
Walnut	

Signature of the Authorised Representative
Full Name:
Designation:
Name and Address of the Agency:
(Seal)

Place :
Date :